देश में मशीनीकृत हाथी आने से केरल के एक मंदिर द्वारा pehli baar ‘नाडायिरुथल’ का आयोजन, यह हाथी PETA इंडिया द्वारा भेट किया गया है और अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु द्वारा समर्थन दिया गया

PEOPLE FOR THE ETHICAL TREATMENT OF ANIMALS

PETA India
PO Box 28260
Juhu, Mumbai 400 049
(22) 4072 7382
(22) 2636 7383 (fax)

Info@petaindia.org
PETAIndia.com

NEWS RELEASE

त्रिशूर –इरिंजडाप्पिल्ली श्री कृष्ण मंदिर द्वारा बंधी हाथियों या अन्य जानवर को कभी कैद न करने एवं किराए पर न लेने की करुणापूर्ण प्रतिज्ञा के बाद, **पार्वती थिरुवोथु** जैसी पुरस्कृत अभिनेत्री ने पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (PETA) इंडिया के साथ मिलकर इरिंजडाप्पिल्ली रमन नामक एक शानदार एवं सजीव मैकेनिकल या "रोबोट" हाथी के नाडायिरुथल का समर्थन किया है। नाडायिरुथल एक धार्मिक अनुष्ठान है जहां मंदिर के देवी-देवताओं को हाथी भेंट किए जाते हैं। श्री कृष्ण मंदिर में इरिंजडाप्पिल्ली रमन के साथ सुरक्षित और क्रूरता मुक्त अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा, जिससे असल हाथियों को जंगलों में पुनर्वासित करने में मदद मिलेगी और उनकी भयानक और क्रूर कैद को समाप्त किया जा सकेगा। आज आयोजित उद्घाटन समारोह के बाद पेरुवनम सतीसन मारार के नेतृत्व में संगीत कलाकारों द्वारा एक बेहतरीन प्रस्तुति दी गयी। जीवित हाथियों को संगीत की तेज़ आवाज़ सुनने के लिए बाध्य करना बेहद क्रूर होने के साथ-साथ हाथियों के स्वास्थ्य हेतु हानिकारक और कष्टदायक भी है।

इस मैकेनिकल हाथी की फ़ोटो एवं वीडियो यहाँ उपलब्ध हैं।

अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु ने कहा, “आज के आधुनिक युग में, हम यह अच्छे से समझ सकते हैं कि जब मनुष्यों द्वारा जानवरों का प्रयोग मनोरंजन के लिए किया जाता है तो उन्हें कितनी क्रूरता झेलनी पड़ती है। अब समय आ गया है कि हम इस तरह के दुर्व्यवहार को रोकने और जानवरों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में मजबूत और अधिक प्रभावशाली कदम उठाएं । मुझे श्रीकृष्ण मंदिर के श्रद्धालुओं को अहिंसक, रोमांचक, आधुनिक और कर्तव्यनिष्ठ तरीके से धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करने और पवित्रता का अनुभव करने में मदद करने के लिए PETA इंडिया का समर्थन करके खुशी हुई।”

श्री कृष्ण मंदिर के मुख्य पुजारी राजकुमार नंबूथिरी ने कहा, “हम इस मैकेनिकल हाथी को प्राप्त करके बहुत बेहद खुश और आभारी हैं। इसकी मदद से हमें अपने अनुष्ठानों और उत्सवों को क्रूरता मुक्त तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी, और हम आशा करते हैं कि अन्य मंदिर भी अनुष्ठानों के लिए हाथियों को अन्य दयालु विकल्पों से बदलने पर विचार करेंगे।”

केरल सहित देशभर में कैद किए गए अधिकांश हाथियों को अवैध रूप से बंधी बनाया जाता है या बिना अनुमति के किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित किया जाता है। हाथी जंगली जानवर होते हैं जो स्वाभाविक रूप से मानवीय आदेशों का पालन नहीं करते हैं इसलिए जब इनका उपयोग सवारी, समारोह, करतब या अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो इन्हें कठोर दंड देकर, मार-पीट कर और नुकीले हथियारों का प्रयोग करके नियंत्रित किया जाता है। इनमें से कई हाथियों को घंटों तक कंक्रीट से बने फ़र्श पर बंधा रहने के कारण पैरों की दर्दनाक बीमारियां और गंभीर घावों का सामना करना पड़ता है। इन सजीव प्राणियों को जीवनभर पर्याप्त भोजन, पानी या चिकित्सकीय देखभाल के साथ–साथ प्राकृतिक जीवन के सुकून से भी वंचित किया जाता है।

Affiliates:
• PETA Asia
• PETA Australia
• PETA Foundation (UK)
• PETA France
• PETA Germany
• PETA Netherlands
• PETA US

Registered Office:
F-110, 1st Floor, Jagdamba Tower
Plot No 13, Community Centre
Preet Vihar, New Delhi
110 092

PEOPLE FOR THE ETHICAL TREATMENT OF ANIMALS

PETA India
PO Box 28260
Juhu, Mumbai 400 049
(22) 4072 7382
(22) 2636 7383 (fax)

Info@petaindia.org
PETAIndia.com

NEWS RELEASE

बंदी हाथियों द्वारा कैद की हताशा के चलते अक्सर असामान्य व्यवहार प्रदर्शित किया जाता है। निराश हाथी अपनी सहन शक्ति समाप्त हो जाने पर पूरी तरह से टूट जाते हैं और भागने का प्रयास करते हैं जिससे मनुष्यों, अन्य जानवरों और सामुदायिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है। हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, पिछले 15 साल की अवधि के दौरान बंदी हाथियों ने केरल में 526 लोगों को मौत के घाट उतारा है। लगभग 40 वर्षों से कैद में रहने वाले थेचिक्कटुकावु रामचंद्रन नामक बंधी हाथी का केरल त्यौहार सर्किट में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है और इसके द्वारा कथित तौर पर 13 हत्याएँ की गयी है जिसमें 6 महावत, चार महिलाएं और तीन हाथी शामिल हैं।

PETA इंडिया हाथियों का उपयोग करने वाली सभी संस्थाओं और आयोजनकर्ताओं को सजीव हाथियों के बजाय रोबोट हाथियों या अन्य विकल्पों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। PETA इंडिया वर्तमान में कैद किए गए सभी बंधी हाथियों को अभयारण्यों में भेजने का समर्थन करता है जहाँ वे बंधनमुक्त होकर अन्य हाथियों के साथ शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर सके और वर्षों के अकेलेपन, कैद एवं दुर्व्यवहार की मानसिक और शारीरिक पीड़ा से उभर सके।

PETA इंडिया इस सिद्धान्त के तहत कार्य करता है कि, "जानवर हमारे मनोरंजन हेतु इस्तेमाल होने के लिए नहीं हैं", प्रजातिवाद का विरोध करता है। प्रजातिवाद एक ऐसी धारणा है जिसके तहत इंसान स्वयं को इस संसार में सर्वोपरि मानकर अन्य प्रजातियों का शोषण करना अपना अधिकार समझता है। अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **PETAIndia.com** पर जाएँ और हमें **Twitter**, **Facebook**, तथा **Instagram** पर फॉलो करें।

संपर्क:

Hiraj Laljani 9619167382; HirajL@petaindia.org
Sanskriti Bansore 9167937382; SanskritiB@petaindia.org

#

Affiliates:
• PETA Asia
• PETA Australia
• PETA Foundation (UK)
• PETA France
• PETA Germany
• PETA Netherlands
• PETA US

Registered Office:
F-110, 1st Floor, Jagdamba Tower
Plot No 13, Community Centre
Preet Vihar, New Delhi
110 092